

कक्षा : आठ गतिविधि

परिचय

पाठ्य पुस्तक	वसंत भाग-तीन
पाठ	दीवानों की हस्ती
शीर्षक	चरित्र-कथा लेखन
समय	दो कालाँश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	चार विद्यार्थी
कौशल	लेखन
आवश्यक सामग्री	कागज़, कलम, रंगीन कलम, कार्यपत्र ।

चरण:-

1 शैक्षिक अधिगम

- साहित्य की चरित्र-कथा लेखन कला को सीख सकेंगे ।
- जीवन में सदा आगे बढ़ने और आशावादी दृष्टिकोण रखते हुए जीवन को जीने के इन भावों को लेखन के माध्यम से प्रस्तुत करने में कुशल हो सकेंगे ।

2 अध्यापिका गतिविधि :-

- कक्षा के विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में विभाजित किया जाएगा ।
- सभी समूहों को एक-एक नारा लिखते हुए विश्व-प्रसिद्ध अथवा इतिहास प्रसिद्ध चरित्र की कथा को लिखने का निर्देश दिया जाएगा ।
- कथा 100 शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए ।
- कथा की भाषा सरल एवं मुहावरेदार होनी चाहिए ।
- कथा का उपयुक्त शीर्षक भी होना चाहिए ।
- यदि संभव हो तो सचित्र प्रस्तुति भी दी जा सकती है ।
- विद्यार्थी अपनी चरित्र-कथा को कक्षा में सुनाएंगे ।
- लिखित चरित्र-कथा अध्यापिका को देंगे तथा वे उनका मूल्यांकन करेंगीं ।
- गतिविधि के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यपत्र करने के लिए दिया जाएगा ।

3 शिक्षार्थी गतिविधि :-

- सभी समूह विषयानुसार एक-एक नारा लिखते हुए चरित्र-कथा को प्रारंभ करेंगे ।
- सरल एवं मुहावरेदार कथा की शब्द सीमा 100 से अधिक न हो इसका विशेष ध्यान रखेंगे ।
- यदि संभव हो तो सचित्र प्रस्तुति भी दी जा सकती है ।
- विद्यार्थी अपनी चरित्र-कथा को कक्षा में सुनाएंगे ।
- लिखित चरित्र-कथा अध्यापिका को देंगे तथा वे उनका मूल्यांकन करेंगीं ।
- विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे ।

4. मूल्यांकन के मानदण्ड :-

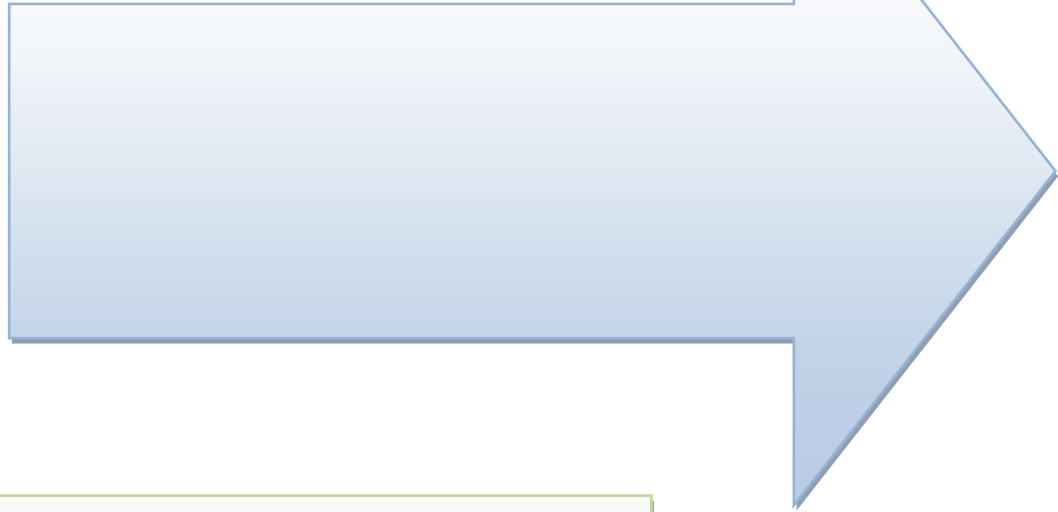
क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ : दीवानों की हस्ती
विद्यार्थी का नाम :

गतिविधि : चरित्र कथा लेखन
अनुक्रमांक :

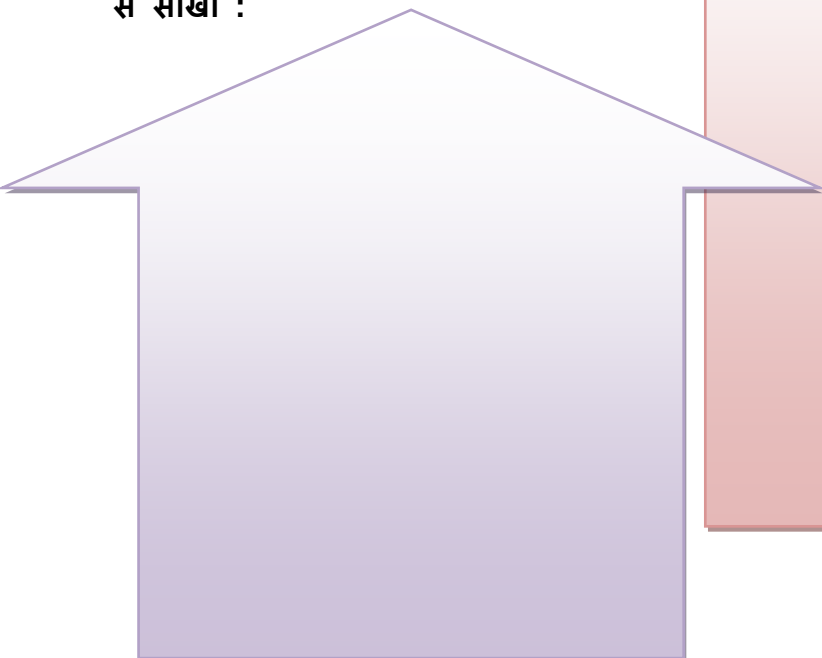
गतिविधि से पूर्व भारत के
महापुरुषों के
व्यक्तित्व का ज्ञान :



पात्र विशेष को
चुनने का कारण



गतिविधि करते हुए उस
पात्र विशेष के व्यक्तित्व
से सीखा :



अपने व्यक्तित्व में
अंतर का अनुभव

